Plan to enhance steel production

25. SHRI ASHWANI KUMAR: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item published in Indian Nation, Patna of 23rd September, 1987 regarding a Rs. 732 crore project being prepared for enhancement of steel production upto 42.45 million tonne per year;

(b) if so, what are the details of the new plan and what are the capacities and machines envisaged to be added in different steel plants in the country together with their costs and stipulated time of completion; and

(c) what steps are being taken to stop cost and time over runs in these projects?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI M. L. FOTEDAR): (a) There is no such proposal.

(b) and (c) Do not arise.

प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुई फसल को क्षति

26. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान वर्ष में प्राकृतिक आपदाओं, अर्थात् सूखे और बाढ़ के कारण किसानों को कुल कितने रुपये की फसल की क्षति हुई है ; और

(ख) सरकार ने उक्त क्षति की पूर्ति करने तथा किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाये है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) 1987 के मानसून अवधि में बाढ़ आने की वजह से फसलों को पहुंची क्षति, क्रम और अनुमानित मूल्य के रूप में क्रमश: 51.04 लाख हैक्टार तथा 54429 लाख रुपये है । 1987 में सूखे से प्रभावित फसल क्षेत्र 454.20 हेक्टार होने का अनुमान है। सूखे की स्थिति के दौरान फसलों की हानि धन राशि के रूप में कितनी हुई है, इसकी जानकारी उपलब्ध नही है ।

(ख) केन्द्रीय सहायता प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुई क्षति की प्रतिपूर्ति करने के लिये नही दी जाती, अपितु प्रभावित लोगों को अपने आर्थिक कार्यकलाप पुन: शुरू करने व बाढ़ आदि के कारण क्षतिग्रस्त सम्पत्तियों की मरम्मत करने पुनर्निमाण करने के लिये सहायता दी जाती है ताकि वे आपद-पूर्व स्तर पर आ सके । केन्द्रीय सहायता मुख्यत: कृषि आदान राजसहायता के लिये छोटे और सीमान्त कृषकों व कृषि श्रमिकों के लिये रोजगार के अवसर सृजन करने के लिये सूखा राहत के अन्तर्गत चारा तथा पशु संरक्षण और बाढ़ राहत के अन्तर्गत कृषि आदान राजसहायता, गाद निकालने के लिये राजसहायता पशु हानि के लिये राजसहायता तथा अल्पकालिक ऋण को मध्यमकालिक ऋणों मे बदलने के लिये सहायता प्रदान की गयी है ।

Import of rapeseed oil

27. SHRIMATI KANAK MUKHERJEE: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) what was the total quantity of imported rapeseed oil during 1986 and upto October, 1987;

(b) State-wise demand of imported rapeseed oil; and

(c) State-wise allocation of this oil and the quantity actually made available to each State during the same period?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES